खुदा का रोजनामचा

लेखक : आचार्य डा० श्रीराम आर्य

Scanned by CamScanner

धर्म ... आर्य 14/16

खुद रोजनामचा

वैदिक धर्म में ईश्वर को सर्वज्ञ, सर्व व्यापक तथा सर्व शक्तिमान माना गया है जिसका अर्थ है कि परमात्मा विश्व की प्रत्येक बात को जानता और उसका यह ज्ञान नित्य है। क्योंकि परमात्मा नित्य है अतः उसका ज्ञान एवं गुण भी नित्य हमेशा रहने वाले हैं। वह विश्व के कण–कण में सम्पूर्ण अनन्त विश्व के भीतर बाहर परिपूर्ण व्याप्त है। विश्व की समस्त शक्तियाँ परमात्मा में सन्निहित हैं वह अपने कार्यक्षेत्र में किसी की सहायता की अपेक्षा नहीं रखता है अतः उसे सर्व व्यापक एवं सर्व शक्तिमान माना गया है।

वैदिक धर्म के अतिरिक्त यहूदी, ईसाई व मुसलमानी मतों के धर्म ग्रन्थों में परमेश्वर को जिस रूप में माना है इससे उसमें बहुत से दोष आ जाते हैं। वह अल्पज्ञ, दूसरों की सहायता का मोहताज, एक देशीय, क्रोध, ईर्ष्या आदि दोषों से ग्रस्त सिद्ध होता है। जो दोष एक कमजोर मनुष्य में हो सकते हैं वे सभी ईश्वर में इन मजहबों में लगाए गए हैं। यहां हम दृष्टान्त के लिए ईसाई व मुस्लिम मतों की मान्यतानुसार खुदा की अल्पज्ञता के विषय में कुछ प्रमाण उपस्थित करते हैं।

Scanned by CamScanner

"**बाइबिल**" ईसाई मत का एक मात्र धर्म ग्रंथ है। उसमें प्रकाशित वाक्य नामी पुस्तक में लिखा है कि खुदा अपनी याददास्त के लिए अपने पास रजिस्टर रखता है और उसमें हर आदमी के कारनामे लिखा करता है। प्रमाण निम्न प्रकार है :–

"और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटूंगा।"

(प्रकाशित वाक्य ३–५)

"और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिलेगा वह आग की झील में डाला जाएगा।"

(प्रकाशित वाक्य २०–१५)

इससे स्पष्ट है कि खुदा के पास "**जीवन की पुस्तक**" नाम से एक रजिस्टर रहता है जिसमें हर भले–बुरे व्यक्ति के बारे में लिखा रहता है। कयामत के दिन जब ईसाई मान्यतानुसार जब खुदा सभी मनुष्यों का न्याय करेगा तो उस किताब को देखकर करेगा। किसी को स्वर्ग देगा तो किसी को नरक में झोंक देगा। यदि जीवन की पुस्तक न हो तो खुदा असंख्य लोगों का न्याय अपनी याददाश्त के बल पर नहीं कर सकेगा। इससे खुदा कमजोर याददास्त वाला सिद्ध है। वह न्याय के लिए जीवन की पुस्तक (डायरी)

Scanned by CamScanner

की मदद का मोहताज रहेगा। यदि वह किताब खो जावे तो खुदा के न्याय की कचहरी का सारा खेल ही खत्म हो जायेगा। खुदा के न्याय के बारे में यह कैसी विचित्र कल्पना है ?

इसी की नकल कुरान शरीफ में (इस्लामी धर्म ग्रन्थों में) की गई है। कुरान शरीफ में स्पष्ट लिखा है कि :—

"यह किताब इस किस्म की नहीं कि खुदा के सिवाय और कोई इसे अपनी तरफ से बना लावे। बल्कि जो (किताबें) इससे पहले की हैं उनकी तसदीक करती है और इन्हीं की तफसील है। इसमें सन्देह नहीं कि यह खुदा की उतारी हुई है।"

(कुरान पारा ११ सूरत यूनिस रुकु ४ आयत ३७)

"उसी ने तुम पर यह किताब वाजिबी उतारी जो उन (आसमानी किताबों) की तसदीक करती है जो इससे पहले (उतर चुकी) हैं, और उसी ने पहले लोगों की नसीहत के लिए तौरेत और इन्जील उतारी।"

(कुरान पारा ३ सूरत आल इमरान रुकु १ आयत ३)

इससे स्पष्ट है कि कुरान शरीफ, तौरेत व इन्जील की (अर्थात् बाइबिल की) तफसील है। इसमें उन्हीं की बातों की व्याख्या की गई है, यह स्वतन्त्र ग्रन्थ न होकर उनकी नकल

Scanned by CamScanner

पर बना है। अतः इसमें भी खुदा की याददाश्त को रजिस्टर रखने की बात बाइबिल से ली गई है। इस विषय में कुछ प्रमाण हम कुरान में से उपस्थित करते हैं, देखिये :–

खुदा ने कहा –

"यह लोग जो नाहक पैगम्बरों को कत्ल करते चले आए हैं उसके साथ हम इनकी इस बकवाद को भी लिखे रखते हैं................।"

(कुरान पारा ४ सूरत आल इमरान रुकु १९ आयत १८२)

"......................और जैसी–जैसी सलाहें रात को करते, अल्लाह लिखता जाता है।"

(कुरान पारा ५ सूरत निसा रुकु ११ आयत ८१)

खुदा ने कहा –

"और (लोगों की कारगुजारियों का) रजिस्टर रक्खा जाएगा तो (ऐ पैगम्बर !) तुम गुनाहगारी को देखोगे कि जो कुछ रजिस्टर में है उससे डर रहे हैं कि– हाय हमारा दुर्भाग्य ! यह कैसा रजिस्टर है ? और जो कुछ उन लोगों ने कहा था (उसमें से) कोई छोटी या बड़ी बात ऐसी नहीं जो उसमें (रजिस्टर में) न लिखी हो (वह सब कर्मलेखा

Scanned by CamScanner

में लिखा हुआ) मौजूद पावेंगे और तुम्हारा परवरदिगार किसी पर बेइन्साफी नहीं करेगा।"

(कुरान पारा १५ सूरत कहफ रुकु ६ आयत ४९)

खुदा कहता है–

हरगिज नहीं, जो कुछ यह बकता है हम लिख लेते हैं और इसके हक में सजा बढ़ाते चले जायेंगे।"

(कुरान पारा १६ सूरत मरियम रुकु ५ आयत ७९)

खुदा ने कहा–

"सो जो आदमी नेक काम करे और वह ईमान भी रखता हो तो उसकी कोशिश व्यर्थ होने वाली नहीं और हम उसको लिखते जाते हैं।"

(कुरान पारा १७ सूरत अम्बिया रुकु ७ आयत ९४)

खुदा ने कहा–

"और हम किसी आदमी की ताकत से बढ़कर (उस पर) बोझ नहीं डालते ओर हमारे यहां लोगों के काम का रजिस्टर है जो ठीक हाल बताता है और उन पर अन्याय न होगा।"

(कुरान पारा १८ सूरत मोमिनून रुकु ४ आयत ६२)

Scanned by CamScanner

"और बड़ी उमर वाला जो उमर पाता है और जिसकी उमर घटती है सब किताब में है, यह अल्लाह पर आसान है।"

(कुरान पारा २२ सूरत फातिहा रुकु २ आयत ११)

कयामत के दिन खुदा की कचहरी लगेगी–

"..................... और जमीन अपने परवरदिगार के नूर में चमक उठेगी और किताब रख दी जायेगी और उनमें पैगम्बर गवाह हाजिर किए जायेंगे ओर उनमें इन्साफ के साथ फैसला कर दिया जायेगा और उन पर जुल्म न होगा।"

(कुरान पारा २४ सूरत जुमर रुकु ७ आयत ६९)

खुदा ने कहा–

"और तू देखेगा कि हर गिरोह घुटने के बल बैठा होगा। हर गिरोह अपने (कर्म) लेखा के पास बुलाया जाएगा जैसे तुम काम करते थे आज उनका बदला पाओ।।२८।। यह हमारा दफ्तर है। (जो) तुम्हारे काम (को) ठीक–ठीक बतलाता है। जो कुछ तुम करते थे हम उनको लिखवाते जाते थे।।२९।।"

(कुरान पारा २५ सूरत जासियह रुकु ४ आयत २८, २९)

Scanned by CamScanner

"कुकर्मी लोगों के कर्म रोजनामचा और कैदियों के रजिस्टर में हैं।।७।।

और (ऐ पैग़म्बर) तू क्या समझे कि कैदियों का रजिस्टर क्या चीज है ? ।।१६।।

यह किताब है (जिसकी खाना पूरी होती रहती है)।।६।।

"फरिश्ते जो नज़दीक हैं उस पर तैनात हैं"।।२१।।

(कुरान पारा ३० सूरत ततफीफ रुकु १ आयत ७ से ६ तथा १८ से २१)

"हम मुर्दों को जिलाते हैं और जो आगे भेज चुके हैं उनकी निशानी हम लिख रहे हैं और हमने हर चीज खुली असल किताब में लिख लीं हैं।"

(कुरान पारा २३ सूरत यासीन रुकु १ आयत १२)

"जब दो लेने वाले दाहिने और बाएं बैठे लेते जाते हैं (लिखते जाते हैं)।।१७।।

जो बात आदमी बोलता है उसके पास निगहबान मौजूद हैं।।१८।।"

(कुरान पारा १६ सूरत काफ रुकु २ आयत १७–१८)

"खुदा जिसको चाहे मिटा देता है और (जिसको चाहता

Scanned by CamScanner

है) कायम रखता है और उसके पास असल किताब है।।३९।।"

(कुरान पारा १३ सूरत राद रुकु ६ आयत ३९)

समीक्षा :–

ऊपर के प्रमाणों में पाठक देखेंगे कि खुदा के पास अच्छे और बुरे काम करने वालों के पृथक–पृथक रजिस्टर रहते हैं जिनमें खुदा अपनी याददाश्त के लिए आदमी के सभी काम व उनकी बातचीत की सभी बातें लिखता रहता है। रजिस्टरों की रक्षा करने को फरिश्ते तैनात रहते हैं ताकि कोई चुरा न ले जावे या नष्ट न कर दे। कयामत के दिन खुदा उन्हीं रजिस्टरों को देखकर हर आदमी के कर्मों का फैसला करेगा। किसी को दोजख में झोंकेगा तो किसी को बहिश्त (स्वर्ग) में भेजेगा। हर आदमी पर खुदा ने दो–दो फरिश्ते लगा रखे हैं जो उसके कर्मों को दुनियां में लिखते रहते हैं। और वे ही कर्मपत्र आदमी को कयामत के दिन पेश किए जायेंगे।

लगता है कि खुदा को याददाश्त के लिए हर बात अपनी डायरी (रजिस्टरों) में लिख लेनी पड़ती है। हर बात को खुदा यदि न लिखे तो सम्भव है कि भूल जावे और फिर उसे वह बात याद दिलाने के लिए दूसरों की मदद लेनी पड़े। इसलिए

Scanned by CamScanner

डायरी भरना (रोजनामचा) उसके लिए जरूरी हो गया है। परन्तु यह नहीं बताया गया कि उन रजिस्टरों के पन्ने कागज के हैं या पत्थर के हैं ? यदि कागज के हैं, तो कागज इस जमीन की कौन सी अरब की पेपर मिल से खुदा ने मंगाया है, ? रजिस्टर जिल्द वाले हैं या खुले पन्ने के हैं ? उन कर्म लेखा पत्रों का व रजिस्टरों का मालखाना (गोदाम) खुदा ने कहां पर कायम रक्खा हुआ है ?

खुदाबन्द भी किताबें रखते हैं, कलम पेंन्सिल, फाउन्टेनपैन रखते हैं, मालखाना भी उनका है, याददाश्त का रजिस्टर व रोजनामचा भी रखते हैं, और उनकी रोजाना खानापूरी भी करते रहते हैं यह बात बड़ी विचित्र सी लगती है। इस जमीन के करीब ४ अरब आदमियों का उसे हिसाब किताब लिखना पड़ता होगा, और भी लोकों में आदमी रहते हैं उनका भी हिसाब रोजाना लिखना होता होगा। खुदा का सारा वक्त इसी लिखा पढ़ी में बीत जाता होगा और दूसरे जरूरी कामों को वक्त नहीं मिल पाता होगा। (पवित्र खुदा के बारे में कैसी विचित्र कल्पना है ?)

किताबों को देखकर फैसला किया ज़ायेगा तो वे किताबें दीवानी की होगी या फौजदारी की ? यह नहीं बताया गया। अच्छे मजिस्ट्रेट तो कानून याद रखते हैं। जो याद नहीं रख पाते हैं वे ही किताबें देखते हैं। खुदा को तो कुरान शरीफ

में सब कुछ जानने वाला लिखा है तब उसे किताबों की फैसले के लिए क्यों जरूरत होगी ? यह बात हमारी समझ में नहीं बैठ सकी है।

इन कुरान मजीद तथा बाइबिल लिखने वालों ने खुदा को भी मामूली आदमी जैसा ही समझ लिया था। और उसके कर्मों को भी अपने ही कर्मों जैसा मान लिया था। पर यह नहीं सोचा कि इन्सान जैसा खुदा को मानने पर उसमें इतने दोष आ जायेंगे कि जिससे वह खुदा ही नहीं रह जायेगा। जो खुदा अनन्त विश्व को बनाकर धारण कर रहा है क्या वह नोट–बुकें लिखा करता है ? कैसी हास्यास्पद गप्पाष्ट इन मजहबी लोगों ने खुदा की कर रक्खी है। इन्सान में भूल जाना, याद न रख सकना, दिमाग की बीमारी व कमजोरी होती है जो कि दवायें खाने से मिट भी जाती है। पर खुदा में यह कमजोरी होना हम नहीं मान सकते हैं। क्या खुदा में याददाश्त की कमजोरी मानना खुदा को बदनाम करना नहीं है ? खुदा के दफ्तर भी हैं, शायद उनमें हर दफ्तर के लिए क्लर्क, हैड क्लर्क, इन्सपेक्टर व दफ्तरों की रक्षा को थानेदार, सिपाही आदि भी होंगे ? वे दफ्तर ईंट, सीमेंट के बने हैं या पत्थरों या कार्ड बोर्ड अथवा लकड़ी के तख्तों के बने हैं ? यह रहस्य नहीं खोला गया है। ये दफ्तर कहां पर बने हुए हैं ? यह भी नहीं बताया गया है। उत्तम होता

Scanned by CamScanner

यदि यह भी बता दिया जाता ताकि अमरीका व रुस के लाखों टन वजनी राकेट जो सितारों को भेजे जाते हैं इनसे बचा कर भेजे जाते। कहीं ऐसा न हो कि कोई राकेट खुदा के दफ्तर से टकराकर उसे भिसमार (ध्वस्त) कर डाले और खुदा के रजिस्टरों में लाग लग जावे। (खुदा के रिकार्ड रूम की कल्पना भी विचित्र है।)

खुदा के पास असल किताब भी लिखी हुई रक्खी है तो उसका नाम क्या है और उसमें क्या-क्या लिखा हुआ है ? यदि यह किताब हमारी दुनियां में आ जावे तो रिसर्च के विद्यार्थी उस पर खोज करके संसार का कल्याण भी कर सकेंगे, और पी. एच. डी. बन सकेंगे। खुदा की किताब यदि खुदा के ही पास रही तो दुनियां वालों को उससे क्या लाभ होगा ? यह भी नहीं बताया कि किताब ज्ञान-विज्ञान की है या हिकमत (इलाज) की है ? लोगों का इतिहास उसमें लिखा है या कोई नाविल (उपन्यास) है ? जिसकी खुदा ने कुरान शरीफ में तारीफ की है। यदि वह असल किताब है तो नकली किताब कौन सी है ? यह भी खोल दिया जाता तो उत्तम होता।

सर्व व्यापक, सर्व शक्तिमान ईश्वर के बारे में कैसी बेतुकी कल्पनायें की गई हैं ? यह देखकर आश्चर्य होता है। पता नहीं ऐसी किताबों पर लोग कैसे विश्वास कर लेते हैं ? अब

Scanned by CamScanner

इस विषय को यहीं समाप्त किया जाता है, पाठक वृन्द पढ़ें और विचार करें ताकी सत्यासत्य से परिचित हो सकें, आज विज्ञान का युग है कोई भी व्यक्ति बे सिर--पैर की बातों पर बिना किसी अंकली दलील या प्रमाण अथवा तर्क के बिना विश्वास नहीं कर पाता।

अगर किसी भी पाठक को कहीं कोई शंका हो तो वह हमें (लेखक को) लिखकर अपनी शंका का समाधान कर सकता है। यह छटा संस्करण इस पुस्तक का आपके हाथों में मौजूद है, हम अपने अनेकों भाईयों की शंकाओं का र्निवाण अनेकों बार कर भी चुके हैं।

नोट :–

श्री आचार्य डा० श्रीराम आर्य जी का समस्त साहित्य अब "**अमर स्वामी प्रकाशन विभाग,**" गाजियाबाद से प्रकाशित किया जावेगा, पाठकवृन्द निम्न पते पर सम्पर्क करें।

"**प्रबन्धक**"

अमर स्वामी प्रकाशन विभाग

१०५८, विवेकानन्द नगर, गाजियाबाद (उ०प्र०)

दूरभाष : **०५७५–७०१०६५**

हमारे द्वारा प्रकाशित ट्रैक्ट साहित्य

क्रमांक	पुस्तक का नाम	मूल्य
	डा0 श्रीराम आर्य कृत:-	
१.	कुरान की विचारणीय बातें	३.००
२.	अण्ड़ा और मांस मे विष	१.००
३.	खुदा का रोज़नामचा	२.००
४.	ईसामसीह मुक्तिदाता नही था	१.००
५.	खुदा और शैतान	३.००
६.	मूर्ति पूजा पर ३१ प्रश्न	१.००
७.	मृतक श्राद्ध पर २१ प्रश्न	१.००
८.	संसार के पौराणिकविद्वानों से ३१ प्रश्न	२.००
९.	अवतारवाद पर २१ प्रश्न	१.००
१०.	ईसाई मत का पोलखाता	२.००
११.	ब्रह्माकुमारी मत खण्डन	६.००
१२.	शिवाजी के चार विलक्षण बेटे	६.००
१३.	राधास्वामी पाखण्ड खण्ड़न	६.००
१४.	गीता पर ४२ प्रश्न	६.००
१५.	हंसामत का पोलखाता	३.००
१६.	चोटी	१.००
१७.	जनेऊ	२.००
१८.	तम्बाकू (सिगरेट-बीड़ी) में विष	१.००

नोट: विस्तृत जानकारी हेतु सूची पत्र मंगवायें !

"प्रबन्धक" अमर स्वामी प्रकाशन विभाग-गाज़ियाबाद
फोन : 0120-4701095

शब्द संयोजक - बालाजी कम्प्यूटर, 146 विवेकानन्द नगर, गाजियाबाद ।

Scanned by CamScanner